A–0443

Total Pages : 4 **Roll No. .....**

BASL–302

कला में स्नातक (बी.ए.)

वेद एवं उपनिषद

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्न में से किन्हीं तीन की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) विष्णोर्नु कं वीर्याणि प्र वोचं

य: पार्थिवानि विममे रजांसि।

यो अस्कभायदुत्तरं सधस्थं

विचक्रमाणस्त्रेधोरुगाय:॥

(ख) यस्याश्वास: प्रदिशि यस्य गावो

यस्य ग्रामा यस्य विश्वे रथास:।

य: सूर्यं य उषसं जजान

यो अपां नेता स जनास इन्द्र:।

(ग) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं

तदु सुप्तस्य तथैवैति।

दूरङ्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं

तन्मे मन: शिवसङ्कल्पमस्तु॥

(घ) सूर्यो देवीमुषसं रोचमानां

मर्यो न योषामभ्येति पश्चात्।

यत्रा नरो देवयन्तो युगानि

वितन्वते प्रति भद्राय भद्रम्॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) शान्तसङ्कल्प: सुमना यथा स्या

द्वीतमन्युर्गौतमो माभि मृत्यो।

त्वत्प्रसृष्टं माभिवदेत्प्रतीत

एतत्त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे॥

(ख) स्वर्गे लोके न भयं किंचनास्ति

न तत्र त्वं न जरया बिभेति।

उभे तीर्त्वाशनायापिपासे

शोकातिगो मोदते स्वर्ग लोके॥

(ग) देवैरत्रापि विचिकित्सितं किल

त्वं च मृत्यो यन्न सुज्ञेयमात्थ।

वक्ता चास्य त्वादृगन्यो न लभ्यो

नान्यो वरस्तुल्य एतस्य कश्चित्॥

(घ) इमा रामाः सरथाःसतूर्या

न हीदृशा लभ्यनीया मनुष्यैः।

आभिर्मत्प्रत्ताभिः परिचारयस्व

नचिकेतो मरणं मानुप्राक्षीः॥

3. अक्षसूक्त का सारांश लिखिए।

4. पठित सूक्त के आधार पर विष्णु देवता की विशेषताएँ बताइए।

5. कठोपनिषद् के आधार पर आत्मा का स्वरूप बताइए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ऋग्वेद का सामान्य परिचय दीजिए।

2. प्रमुख ब्राह्मणग्रन्थों के नाम लिखते हुए उनमें से किसी एक का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित मंत्र का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

अग्निना रयिमश्नवत् पोषमेव दिवेदिवे यशसं वीरक्तमम्॥

4. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी लिखिए :

(क) शिक्षा

(ख) संहिता

5. कठोपनिषद्, प्रथम अध्याय के तृतीय वल्ली का सारांश लिखिए।

6. अथर्ववेद के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

7. यजुर्वेद के भेदों का वर्णन कीजिए।

8. वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

****